ज़ायद बही नं० 4 37

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह ख़ाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैंफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
	R.No. 118 वसीयत
जिल्द 2 पृष्ठ 320	मूल्य नम्बर Rs-250.00 c.f. 2.00 Total 52.00

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)

New Art Press JUC. 2074 Reg.

Government Judicial Paper

वसीहत नामा

...लाम रसूल उमर 65 साल गोत्र दहया
...3 गुरुद्वारा मार्किट बिलासपुर
...ा बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का हूँ।
...है जिसका नाम श्रीमती जमीला बेगम
...हो चुके हैं। हमारे लड़का या
...मेरे औरत के साथ पिछले
...सुभाषचन्द आया है जिस की
...वर्ष है। यही लड़का हम दोनों
...रव रेख करता है। हमारी उमर
...ी है। जीवन का कोई भरोसा
...सिला परवरिश अदा करने के
...पुत्र पूर्णचन्द गोत्र रतनगारदुल
...के निवासी बिशनु भर्थ धार-
...लासपुर हि० प्र० को अपना जानशीन
...करता हूँ तथा अपनी होशोहवाश
...वसीहत लिखवाता हूँ कि मेरे
...श्रीमती जमीला बेगम के मरने
...दोनों में से जो भी शख्स बाद
...द मेरी हर किस्म की चल व
...वही हकदार होगा। यदि मैं
...रूँ तो मकान नं.3 गुरुद्वारा मार्किट
...के हकदार मेरी पत्नी
...होगा तथी (जुज्व दोयम)
...के मरने के बाद मेरी तमाम
...कुल सम्पत्ति का जायज
...ाषचन्द पुत्र पूर्णचन्द होगा।
...ारन अमाला कोई मेरे मरने के बाद

वसीहत नामा

मैं उमरदीन पुत्र गुलाम रसूल उम्र 65 साल गोत्र दत्या राजपूत मकान नं. 3 गुरुद्वारा मार्किट बिलासपुर जात लुहार जिला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का हूँ। मेरी एक औरत है जिसका नाम श्रीमती जमीला बेगम है। हम दोनों बूढे हो चुके हैं। हमारे लड़का या लड़की कोई न है। मेरे औरत के साथ पिछले घर से एक लड़का सुभाषचन्द आया है जिस की आज उमर 19 वर्ष है। यही लड़का हम दोनों की सेवा व देखरेख करता है। हमारी उमर काफी ज्यादा हो चुकी है। जीवन का कोई भरोसा न है। अतः सिला परवरिश अदा करने के लिए तथा सुभाष पुत्र पूर्णचन्द गोत्र रतनयारदुम जात हिन्दू तरखान निवासी बिशनू डा. घार-स्योह जिला बिलासपुर हि.प्र. को अपना जायज वारिश इकरार करता हूँ तथा अपनी होशोहवास में रहते हुए यह वसीहत लिखता हूँ कि मेरे अथवा मेरी पत्नी श्रीमती जमीला बेगम के मरने के बाद यानी हम दोनों में से जो भी शख्स बाद में मरेगा उसके बाद मेरी हर किस्म की चल व अचल सम्पत्ति का वही हकदार होगा। यदि मैं अपनी पत्नी से पहले मरूं तो मकान नं. 3 गुरुद्वारा मार्किट व तमाम जायदाद का हकदार मेरी पत्नी श्रीमती जमीला बेगम होगा तथी (मुजब देयक) श्रीमती जमीला बेगम के मरने के बाद मेरी तमाम मनकूला व गैर मनकूला सम्पत्ति का जायज वारिस भी सुभाषचन्द पुत्र पूर्णचन्द होगा। मेरी औरत जमीला कोई मेरे मरने के बाद

गवाह:- प्रकाशचन्द पुत्र कांशीराम [illegible]
Sd/-

L.T.I.
Sh. Umardeen

अंगूठा ह०- श्री उमरदीन पुत्र गुलाम रसूल मकान नं. 3 गुरुद्वारा मार्किट बिलासपुर

22-6-90

दस्तावेज बाशीमती — 21-24 — पृष्ठ
किताब — 2 — नम्बर है।
फीस — 320 — है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
22/6/90

व्यक्ति वसीयत ठाकरसीन पुत्र गुलाब
मकान नं. 3 गुरुद्वारा मार्ग, बिलासपुर
कस्बा — परगना — सदर — तहसील सदर
जिला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश ने आज दिनांक — 22 जून 1990
तदानुसार 1 आषाढ़ शाका 1912 सरोज शुक्रवार
समय 3-30 बजे दिन कार्यालय सब रजिस्ट्रार
सदर में बराये रजिस्ट्रेशन पेश किया।

पेश कर्ता

L.T.I.
ठाकरसीन

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
22/6/90

Budhi Singh

मैं प्रमाणित करता हूं कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान
मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
22/6/90

No 710539 A Himachal Government Judicial Paper

मेरी जायदाद को फरोख्त करने का कोई हकन होगा। सुभाषचन्द की सेवा व देखभाल से हम दोनों बहुत खुश हैं। तथा हमें पूरी उम्मीद है कि हमारे मरने तक यह हमारी ठीक देखभाल करता रहेगा। मैंने मौजूदा वसीयत के अलावा कोई भी तहरीर अपनी जायदाद बारा न बनाई है यदि कोई हकदार या दीगर शख्स कोई लिखित पेश करे तो वह झूठी साबित होगी। यह वसीयत नामा मैंने होशो हवास में रहते हुए लिखवाया है। इसे सबके गवाहन पढ़कर सुनाया गया तथा इसे ठीक मान कर मैंने ~~दस्तखत~~ गवाहन अंगूठा लगाया तथा गवाहन ने भी मेरे सामने हस्ताक्षर किए। यह वसीयत नामा आज 21-6-1990 को लिखवाया गया।

लेखक [signature]
Budhi Singh Koundal
Advocate
Courts Bilaspur H.P.

अंगूठा
अंगूठा नि. बायां
श्री अमरदीप पुत्र गुलाम रसूल मकान नं. 3 गुरुद्वारा रोड़ बिलासपुर

नोट:- इस वसीयत नामा में 320 अक्षर है

Parkash Chand
गवाह: श्री प्रकाश चन्द पुत्र श्री काशी राम
ग्राम बरला बड़ा P.O. बैरी दड़ोला
त. घुमारवीं

दयाराम
गवाह:- श्री दयाराम पुत्र श्री सुन्दर
ग्राम कोठी पुरा P.O. राजपुरा
जिला बिलासपुर

22-6-90

वसीका वसीयत नामा हुआ श्री आत्मदीन हर्फ ब हर्फ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने इस वसीका की तमाम तहरीर व तफसील को सुन व समझकर सही तसलीम किया व इसकी शनाखत श्री बुद्धि सिंह ... बिलासपुर करते हैं। जिनसे मैं स्वयं परिचित हूं। लिहाजा वसीका हुआ तस्दीक किया जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

पेश कर्ता शनाखत कर्ता

L-T-I
आत्मदीन

Budhi Singh

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
22/6/90

मैं प्रमाणित करता हूं कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
22/6/90

Registered at No. 118 in Book 3 Vol. 22 on page/pages 47 Additional No. 91 ... 1990
557

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
22/6/90